चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	02.07.2020	02	05-08

एचएयू के होम साइंस की छात्राएं ऑनलाइन प्रशिक्षण के बाद तैयार कर रही बॉडी कवर किट, 166 तैयार हैं

सिटी रिपोर्टर • लड़कियों के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि वो आत्मनिर्भर बनें। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि यूनिवर्सिटी की होम साइंस कॉलेज की छात्राएं अब विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही हैं। एचएयू के होम साइंस कॉलेज के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क का निर्माण एवं वितरण निरंतर कर रहा है। इसके जरिए कोविड योद्धाओं तक मदद पहुंचाने में भी सफल हो रही हैं।

छात्राओं का सामाजिक भलाई के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम

सामाजिक संस्थाओं ने दिया मैटिरियल

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रुपए भी कमा चुकी हैं। इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए सामाजिक संस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है।

ऑनलाइन सिखाई बॉडी कवर किट बनानी

डॉ. बिमला ढाण्डा ने बताया कि बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रियल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है। छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन उत्पाद बनाना सीखाया।

यह छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक

एचएयू के वीसी प्रोफेसर के.पी. सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे ओर अधिक मेहनत कर इसको अपनी कमाई का जरिया बनाएं जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	02.07.2020	02	03-08

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉक्टर्स को शुभकामनाएं दीं

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप है, कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टर्स ने इसे सार्थक सिद्ध किया: प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होता है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों में चिकित्सकों ने इसे और सार्थक सिद्ध किया है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की बधाई देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस को एक जुलाई को देश के महान चिकित्सक और पश्चिमी बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉक्टर बिधानचंद्र रॉय की जन्मतिथि और पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी याद में मनाया जाता है। यह खास दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले उन तमाम चिकित्सकों को भी समर्पित है जो हर परिस्थिति में चिकित्सीय मूल्यों को बनाए रखते हुए व अपना फर्ज निभाते हुए मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया करवा रहे हैं। सबसे पहले भारत सरकार की ओर से यह दिन वर्ष 1991 में मनाया था।

प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि कोविड-19 के चलते देश के चिकित्सक, 'फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स' की भूमिका अदा कर रहे हैं। वे न केवल जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे लोगों का इलाज कर रहे हैं, बल्कि उन्हें नया जीवन भी दे रहे हैं। इसके साथ-साथ चिकित्सकों, नर्सों, सुरक्षा कर्मी, पुलिस कर्मी, सफाई कर्मी, पत्रकार सहित सामाजिक कार्यकर्ता व संगठन भी इस महामारी के समय कोरोना योद्धाओं की भूमिका निभा रहे हैं और इनका ये प्रयास सराहनीय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	02.07.2020	03	08

उन्नत बीज व फसल प्रंबधन से बढ़ा सकते हैं ग्वार की पैदावार

भास्कर न्यूज | हिसार

ग्वार हरियाणा के शुष्क क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण खरीफ की फसल है। ग्वार को मुख्यतः हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, गुड़गांव व सिरसा जिलों तथा रोहतक, झज्जर व जींद जिलों के कुछ भागों में उगाया जाता हैं। इसके बीज में 30-35 प्रतिशत तक गोंद होने के कारण ग्वार का हाल के वर्षों में औद्योगिक महत्व भी बहुत अधिक बढ़ गया है। ग्वार चूरी जोकि एक गौण उत्पाद है, बड़ी उपयोगी होती है, क्योंकि इसमें 40 प्रतिशत से भी अधिक प्रोटीन होती है, जबकि ग्वार के बीज में यह 30 प्रतिशत होती है। ग्वार का गोंद कपड़ा, खाद्य पदार्थ व श्रृंगार का सामान बनाने, खनन, विस्फोट तथा तेल उद्योगों में प्रयोग किया जाता है। किसानों के लिए ग्वार की खेती करना सुलभ है। ग्वार की खेती कर प्रति एकड़ 7 से 8 क्विंटल तक उत्पादन किया जा सकता है। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को भी ग्वार के उन्नत बीज के प्रति वेबिनार के माध्यम से जागरूक कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	02.07.2020	01	02-06

सराहनीय

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने अब तक 166 बॉडी कवर किट तैयार कर बेची

कोरोना से बचाव को बॉडी किट तैयार कर रहीं छात्राएं

जागरण संवाददाता, हिसार : कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है। एचएयू की छात्राएं घर पर रहकर कोरोना से बचाव के लिए विशेष बॉडी किट तैयार कर रही हैं। जिसमें पीपीई किट में प्रयोग होने वाला कपड़ा नॉन बोवन का प्रयोग किया जा रहा है ताकि प्रयोग करने वाले को संक्रमण से बचाया जा सके। छात्राओं ने ऑनलाइन वीडियो द्वारा छात्राओं को बॉडी कवर किट तैयार करना सिखाया गया जिसमें हैड कवर, सुरक्षात्मक गाउन, पायजामा और जुते के कवर शामिल हैं। इसके अलावा मास्क व फेस शिल्ड भी तैयार करवाए गए।

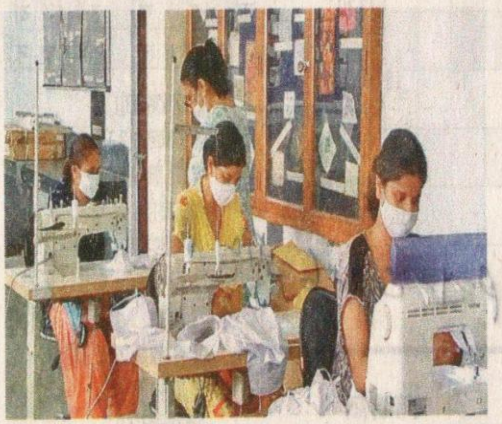

गृह विज्ञान महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं की निगरानी में मास्क व बॉडी कवर किट तैयार करती छात्राएं। • विज्ञप्ति

विभिन्न संस्थाओं से मिले ऑर्डर, तैयार की 166 किट

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रूपये भी कमा चुकी हैं। बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक सस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है। छात्राओं को सिलाई ही करनी थी। डॉ. बिमला ढांडा के अनुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव से इस हुनर को सीख रही हैं। यहां से सीखकर छात्राएं वस्त्रों से उत्पाद तैयार कर अपनी आमदनी का जरिया बना सकती हैं।

ऐसे आया बॉडी किट बनाने का आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा अनुसार बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है, लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायातों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्सन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डा. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का तीन महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	02.07.2020	09	01-07

हकृवि की छात्राओं का सामाजिक भलाई के साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम

विभिन्न संस्थाओं के ऑर्डर पर तैयार कर चुकी 166 बॉडी कवर किट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है। छात्राएं अब महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही हैं।

- विवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं का कोविड-19 के चलते अनूठा प्रयास

विश्वविद्यालय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क का निर्माण एवं वितरण निरंतर कर रहा है। हकृवि के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है।

किट तैयार कर 21,700 रुपये भी कमा चुकी हैं

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रुपये भी कमा चुकी हैं। हालांकि इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक संस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है। छात्राओं को केवल सिलाई ही करनी थी। डॉ. बिमला ढांडा के अनुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव से इस हुनर को सीख रही हैं।

ऐसे आया आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा अनुसार बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है, लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायतों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का तीन महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया। इसमें ऑनलाइन वीडियो द्वारा छात्राओं को बॉडी कवर किट तैयार करना सिखाया गया जिसमें हैड कवर, सुरक्षात्मक गाउन, पायजामा और जूते के कवर शामिल हैं। इसके अलावा मास्क व फेस शिल्ड भी तैयार करवाए गए। बॉडी कवर किट तैयार करने में कॉलेज कैंपस में रहने वाली विभाग की छात्राएं रेनू, महक, सुमन, सरला व रेनू की भूमिका मुख्य है।

हिसार। गृह विज्ञान महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं की निगरानी में मास्क व बॉडी कवर किट तैयार करती छात्राएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	02.07.2020	12	06-07

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप : प्रो. सिंह

विषम परिस्थितियों में साबित भी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ डॉक्टर बिधानचंद्र रॉय की जन्मतिथि और पुण्यतिथि पर मनाते हैं डॉक्टर्स डे

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होता है। मौजूदा समय में जारी कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों में चिकित्सकों ने इसे ओर सार्थक सिद्ध भी कर दिया है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस को एक जुलाई को देश के महान चिकित्सक और पश्चिमी बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉक्टर बिधानचंद्र रॉय की जन्मतिथि और पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी याद में मनाया जाता है।

इसके अलावा यह खास दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले उन तमाम चिकित्सकों को समर्पित है जो हर परिस्थिति में चिकित्सीय मूल्यों को बनाए रखते हुए व अपना फर्ज निभाते हुए मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया करवा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले भारत सरकार की ओर से यह दिन वर्ष 1991 में मनाया गया था। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि कोविड-19 के चलते देश के चिकित्सक, ह्यफ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स की भूमिका अदा कर रहे हैं। वे न केवल जिंदगी ओर मौत के बीच संघर्ष कर रहे लोगों का इलाज कर रहे हैं, बल्कि उन्हें नया जीवन भी दे रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	02.07.2020	04	05-08

छात्राओं का सामाजिक भलाई के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम

अब तक विभिन्न संस्थाओं के ऑर्डर पर तैयार कर चुकी हैं 166 बॉडी कवर किट

हिसार, 1 जुलाई (ब्यूरो): कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है।

छात्राएं अब महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही हैं। विश्वविद्यालय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क का निर्माण एवं वितरण निरंतर कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है।

ऐसे आया आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा अनुसार बी.एस.सी. अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमैंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी 3 महीने का अनुभव हासिल करना होता है, लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायतों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्सन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफैसर डा. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफैसर डा. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का 3 महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया। इसमें ऑनलाइन वीडियो द्वारा छात्राओं को बॉडी कवर किट तैयार करना सिखाया गया जिसमें हैड कवर, सुरक्षात्मक गाऊन, पायजामा और जूते के कवर शामिल हैं। इसके अलावा मास्क व फेस शील्ड भी तैयार करवाए गए। बॉडी कवर किट तैयार करने में कॉलेज कैंपस में रहने वाली विभाग की छात्राएं रेनू, महक, सुमन, सरला व रेनू की भूमिका मुख्य है।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं की निगरानी में मास्क व बॉडी कवर किट तैयार करतीं छात्राएं।

विभिन्न संस्थाओं से मिले ऑर्डर, तैयार की 166 किट

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर चुकी हैं। हालांकि इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक सस्थाओं द्वारा सारा मैटीरियल उपलब्ध करवाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	01.07.2020	--	--

रिसर्च में सॉफ्टवेयर के प्रयोग पर दिया बल

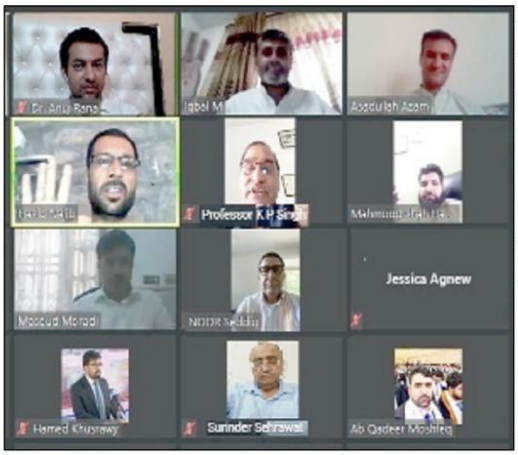

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के नेतृत्व में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समापन हो गया है। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समापन पर कुलपति महोदय ने सभी को बधाई दी। इस प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रिसर्च डाटा का विश्लेषण करने के उन्नत सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकों व उनकी प्रयोगात्मक डिजाइनिंग से रूबरू करवाया गया। प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा सीखी गई तकनीक बहुत ही उपयोगी साबित होंगी और भविष्य में छात्रों को रिसर्च डाटा के विश्लेषण के दौरान चुनौतियों का सामना करने में मददगार साबित होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	01.07.2020	--	--

कृषि उत्पादन बढ़ाने में भौतिक विज्ञान की भूमिका सराहनीय : प्रो. के.पी. सिंह

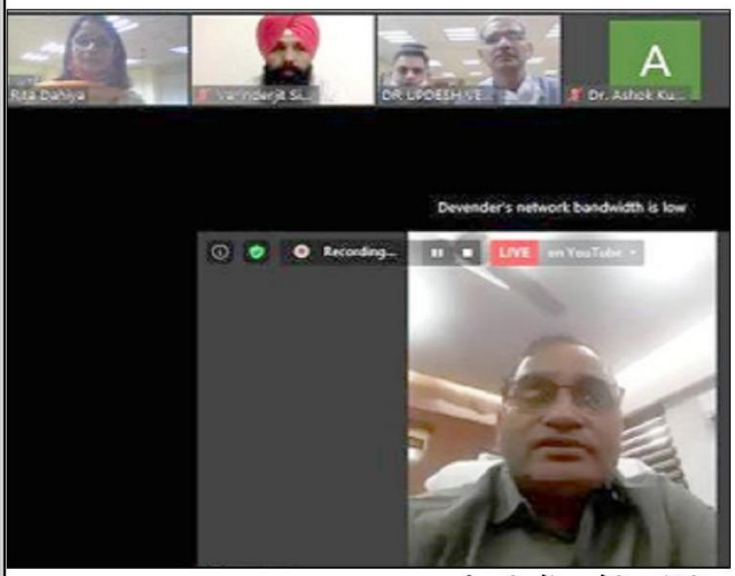

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 जुलाई : ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जहां भौतिकी विज्ञान का उपयोग नहीं होता। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि भौतिकी, मृदा भौतिकी और फसल शरीर विज्ञान में भौतिकी की भूमिका बहुत ही सराहनीय है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने व्यक्त किए। वे भौतिकी में 'उभरती प्रवृत्तियां व उनकी कृषि में उपयोगिताएं' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटिज के भौतिकी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान का हर क्षेत्र में ही महत्वपूर्ण रोल है परन्तु कृषि क्षेत्र में इसका योगदान बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण में इसकी उपयोगिता के लिए कृषि में भौतिकी की भी प्रासंगिकता पर भी बल दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि वेबिनार के लिए लगभग 650 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था और 300 से अधिक प्रतिभागी इस वेबिनार में शामिल हुए थे। वेबिनार के दौरान छात्रों, शिक्षकों, विद्वानों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने वक्ताओं के साथ प्रश्नोत्तर भी किए। इस आयोजन का यूटयूब पर भी सीधा प्रसारण किया गया जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुना और देखा गया । इस वेबिनार में चार राष्ट्रीय और तीन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र में शोध कार्यों का उल्लेख किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व मौलिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने भौतिकी विभाग के इस आयोजन की सराहना की। वेबिनार का संचालन डॉ. रीता दहिया ने किया। वेबिनार के सचिव एवं विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने अंत में सभी का वेबिनार में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति	01.07.2020	--	--

हकृवि छात्राएं तैयार कर रही हैं बॉडी कवर किट तैयार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्राओं का सामाजिक भलाई के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है। छात्राएं अब महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही हैं। विश्वविद्यालय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क बनाने एवं

वितरण निरंतर कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे ओर अधिक मेहनत कर इसको अपनी कमाई का जरिया बनाएं जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके साथ यह कार्य पुण्य व भलाई का है जो कोविड योद्धाओं के लिए मददगार साबित हो रहा है।

ऐसे आया आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा अनुसार बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है,

विभिन्न संस्थाओं से मिले ऑर्डर, तैयार की 166 किट

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रूपये भी कमा चुकी हैं। हालांकि इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक सस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है। छात्राओं को केवल सिलाई ही करनी थी। डॉ. बिमला ढांडा के अनुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव से इस हुनर को सीख रही हैं। उन्होंने बताया कि यहां से सीखकर छात्राएं वस्त्रों से विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर अपनी आमदनी का जरिया बना सकती हैं, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम् कदम होगा।

लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायातों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्सन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का तीन महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	01.07.2020	--	--

अब तक विभिन्न संस्थाओं के ऑर्डर पर तैयार कर चुकी हैं 166 बॉडी कवर किट

हकृवि की छात्राओं का सामाजिक भलाई के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम

पांच बजे न्यूज

हिसार। कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है। छात्राएं अब कॉलेज की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही हैं। विश्वविद्यालय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क का निर्माण एवं वितरण निरंतर कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे ओर अधिक मेहनत कर इसको अपनी कमाई का जरिया बनाएं जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके साथ यह कार्य पुण्य व भलाई का है जो कोविड यौद्धाओं के लिए मददगार साबित हो रहा है।

ऐसे आया आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा अनुसार बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है, लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायातों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्सन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का तीन महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया। इसमें ऑनलाइन वीडियो द्वारा छात्राओं को बॉडी कवर किट तैयार करना सिखाया गया जिसमें हैड कवर, सुरक्षात्मक गाउन, पायजामा और जुते के कवर शामिल हैं। इसके अलावा मास्क व फेस शिल्ड भी तैयार करवाए गए। बॉडी कवर किट तैयार करने में कॉलेज कैंपस में रहने वाली विभाग की छात्राएं रेनू, महक, सुमन, सरला व रेनू की भूमिका मुख्य है।

विभिन्न संस्थाओं से मिले ऑर्डर, तैयार की 166 किट

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रूपये भी कमा चुकी हैं। हालांकि इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक सस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है। छात्राओं को केवल सिलाई ही करनी थी। डॉ. बिमला ढांडा के अनुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव से इस हुनर को सीख रही हैं। उन्होंने बताया कि यहां से सीखकर छात्राएं वस्त्रों से विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर अपनी आमदनी का जरिया बना सकती हैं, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम् कदम होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**01.07.2020**	---	---

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप : प्रोफेसर के.पी. सिंह

July 1, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 1 जुलाई 2020

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होता है। मौजूदा समय में जारी कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों में चिकित्सकों ने इसे ओर सार्थक सिद्ध भी कर दिया है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की बधाई देते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस को एक जुलाई को देश के महान चिकित्सक और पश्चिमी बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉक्टर बिधानचंद्र रॉय की जन्मतिथि और पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी याद में मनाया जाता है। इसके अलावा यह खास दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले उन तमाम चिकित्सकों को समर्पित है जो हर परिस्थिति में चिकित्सीय मूल्यों को बनाए रखते हुए व अपना फर्ज निभाते हुए मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सबसे पहले भारत सरकार की ओर से यह दिन वर्ष 1991 में मनाया गया था। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि कोविड-19 के चलते देश के चिकित्सक, 'फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स' की भूमिका अदा कर रहे हैं। वे न केवल जिंदगी ओर मौत के बीच संघर्ष कर रहे लोगों का इलाज कर रहे हैं, बल्कि उन्हें नया जीवन भी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ चिकित्सकों, नर्सों, सुरक्षा कर्मी, पुलिस कर्मी, सफाई कर्मी सहित सामाजिक कार्यकर्ता व संगठन भी इस महामारी के समय कोरोना योद्धाओं की भूमिका निभा रहे हैं और इनका ये प्रयास सराहनीय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**01.07.2020**	---	---

H.A.U के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं का कोविड-19 के चलते अनुठा प्रयास

July 1, 2020 - Rakesh - Haryana News

हिसार : 1 जुलाई 2020

कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है। छात्राएं अब महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही हैं। विश्वविद्यालय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क का निर्माण एवं वितरण निरंतर कर रहा है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे ओर अधिक मेहनत कर इसको अपनी कमाई का जरिया बनाएं जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके साथ यह कार्य पुण्य व भलाई का है जो कोविड योद्धाओं के लिए मददगार साबित हो रहा है।

ऐसे आया आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा अनुसार बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है, लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायातों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का तीन महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया। इसमें ऑनलाइन वीडियो द्वारा छात्राओं को बॉडी कवर किट तैयार करना सिखाया गया जिसमें हैड कवर, सुरक्षात्मक गाउन, पायजामा और जुते के कवर शामिल हैं। इसके अलावा मास्क व फेस शिल्ड भी तैयार करवाए गए। बॉडी कवर किट तैयार करने में कॉलेज कैंपस में रहने वाली विभाग की छात्राएं रेनू, महक, सुमन, सरला व रेनू की भूमिका मुख्य है।

विभिन्न संस्थाओं से मिले ऑर्डर, तैयार की 166 किट

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रूपये भी कमा चुकी हैं। हालांकि इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक सस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है। छात्राओं को केवल सिलाई ही करनी थी। डॉ. बिमला ढांडा के अनुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव से इस हुनर को सीख रही हैं। उन्होंने बताया कि यहां से सीखकर छात्राएं वस्त्रों से विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर अपनी आमदनी का जरिया बना सकती हैं, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम् कदम होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	01.07.2020	---	---

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की छात्राओं का सामाजिक भलाई के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ओर कदम

SHARE 0

गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं का कोविड-19 के चलते अनुठा प्रयास

अब तक विभिन्न संस्थाओं के ऑर्डर पर तैयार कर चुकी हैं 166 बॉडी कवर किट

हिसार,

कोरोना महामारी के चलते मौजूदा हालातों में एक ओर जहां विद्यार्थियों को घर पर रहकर ऑनलाइन पढाई करनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की होम साइंस की छात्राओं ने इससे निपटने के लिए कुछ अलग तरीका निकाला है। छात्राएं अब महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापिकाओं के सहयोग से ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल कर कोविड-19 से बचाव के लिए बॉडी कवर किट तैयार कर रही है। विश्वविद्यालय गृह विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से कोविड-19 के चलते अपने स्तर पर मास्क का निर्माण एवं वितरण निरंतर कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने छात्राओं और विभाग के सदस्यों के इस सहयोग व प्रयास की सराहना की है। साथ ही उन्होंने छात्राओं से आहवान किया कि वे और अधिक मेहनत कर इसको अपनी कमाई का जरिया बनाएं जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके साथ यह कार्य पुण्य व भलाई का है जो कोविड योद्धाओं के लिए मददगार साबित हो रहा है।

ऐसे आया आइडिया

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला टाण्डा अनुसार बीएससी अंतिम वर्ष की छात्राओं को इंडस्ट्रीयल अटैचमेंट इन होम साइंस के तहत वस्त्र एवं परिधान निर्माण से जुड़ी हुई कंपनियों के साथ मिलकर उनमें होने वाले कार्यों संबंधी तीन महीने का अनुभव हासिल करना होता है, लेकिन मौजूदा समय में कोविड-19 के चलते जारी हिदायतों अनुसार ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। इसी के चलते वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव व छात्राओं ने विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया गया कि कुछ ऐसा किया जाए जिससे कोरोना वायरस की वजह से छात्राओं की पढाई भी बाधित न हो और उनका अंतिम वर्ष का तीन महीने का कोर्स वर्क भी पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में छात्राओं को घर पर रहकर ही ऑनलाइन माध्यम से कंपनियों की तरह ही घर में रखे हुए कपड़ों का उपयोग करके उपयोगी उत्पाद बनाना सिखाया गया। इसमें ऑनलाइन वीडियो द्वारा छात्राओं को बॉडी कवर किट तैयार करना सिखाया गया जिसमें हैड कवर, सुरक्षात्मक गाउन, पायजामा और जुते के कवर शामिल हैं। इसके अलावा मास्क व फेस शिल्ड भी तैयार करवाए गए। बॉडी कवर किट तैयार करने में कॉलेज कैंपस में रहने वाली विभाग की छात्राएं रेनू, महक, सुमन, सरला व रेनू की भूमिका मुख्य है।

विभिन्न संस्थाओं से मिले ऑर्डर, तैयार की 166 किट

कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला टांडा ने बताया कि छात्राओं के इस हुनर को देखते हुए विभिन्न संस्थाओं ने कोविड-19 से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में बॉडी किट बनवाने के ऑर्डर भी दिए हैं। अभी तक छात्राएं 166 किट तैयार कर 21,700 रूपये भी कमा चुकी हैं। हालांकि इन बॉडी कवर किट को तैयार करवाने के लिए छात्राओं को स्वयं सामाजिक संस्थाओं द्वारा सारा मैटिरियल उपलब्ध करवाया जाता है। छात्राओं को केवल सिलाई ही करनी थी। डॉ. बिमला टांडा के अनुसार वस्त्र एवं परिधान अभिकल्पन विभाग की छात्राएं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नीलम एम. रोज व सहायक प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव से इस हुनर को सीख रही हैं। उन्होंने बताया कि यहां से सीखकर छात्राएं वस्त्रों से विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर अपनी आमदनी का जरिया बना सकती हैं, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम् कदम होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पब्लिक ऐप्प (ऑडियो)	**01.07.2020**	---	---